चिड़ियाँ पेड़ों से उड़-उड़कर भागने लगीं । लड़के ने नीचे देखा, शेर ज़मीन पर गिर पड़ा था । वह एक बार फिर उछला और फिर गिर पड़ा । फिर वह हिला तक नहीं । लड़के की खुशी का क्या पूछना । भूख-प्यास का नाम तक न था । चटपट पेड़ से उतरा तो देखा सामने उसका मालिक खड़ा है । वह रोता हुआ उसके पैरों पर गिर पड़ा । मालिक ने उसे उठाकर छाती से लगा लिया । और बोला क्या तू तीन दिन से इसी पेड़ पर था लड़के ने कहा हाँ , उतरता कैसे शेर तो नीचे बैठा हुआ था । मालिक हमने तो समझा था कि किसी शेर ने तुझे मार कर खा लिया । हम चारों आदमी तीन दिन से तुझे ढूंढ रहे हैं । तूने हमसे कहा तक नहीं और निकल खड़ा हुआ । लड़का मैं डरता था , गाय जो खोई थी । मालिक अरे पागल , गाय तो उसी दिन आप ही आप चली आई थी । भूख प्यास से शक्ति तक न रहने पर भी लड़का हँस पड़ा ।